हरिभूमि
धमतरी भूमि
रायपुर, सोमवार 19 अक्टूबर 2026
कुरुद | सिर्री | जीजामगांव | नगरी | मगरलोड

तापमान

अधिकतम 33 डिग्री
न्यूनतम 19 डिग्री

11 जीजामगांव में अस्सी वर्षों से जीवंत है राम-कृष्ण लीला...



12 रंग झरोखा और सुनील तिवारी नाइट के बाद...



चालान से बचने नहीं, जीवन बचाने के लिए हेलमेट पहनें : भावना

हरिभूमि न्यूज ⏭धमतरी

सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और आम नागरिकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से धमतरी पुलिस एवं जिला प्रशासन द्वारा संयुक्त रूप से सड़क सुरक्षा एवं हेलमेट जागरूकता रैली निकाली गई। रूद्री चौक से प्रारंभ हुई इस रैली को पुलिस अधीक्षक भावना पांडेय ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली के माध्यम से नागरिकों को हेलमेट पहनने, तेज रफ्तार से बचने और यातायात नियमों का पालन करने का संदेश दिया गया।

एसपी भावना पांडेय ने कहा कि जीवन अनमोल है और सड़क पर की गई छोटी-सी लापरवाही भी गंभीर दुर्घटना का कारण बन सकती है। उन्होंने कहा कि हेलमेट केवल चालान से बचने का साधन नहीं, बल्कि दुर्घटना के समय जीवन की रक्षा करने वाला सुरक्षा कवच है। उन्होंने दोपहिया वाहन चालकों से स्वयं हेलमेट पहनने के साथ पीछे बैठने वाले व्यक्ति को भी हेलमेट पहनने के लिए प्रेरित करने की अपील की। एसपी ने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल पुलिस और प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का सामाजिक दायित्व है।

मौके पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र कुमार पांडेय, एसडीएम कल्पना ध्रुव, यातायात प्रभारी उपनिरीक्षक खेमराज साहू, रेडक्रॉस सोसायटी के सदस्य शिवा प्रधान, सत्येन्द्र शर्मा, खिलेश्वर साहू, पोषण सिन्हा, महेश साहू, राजेंद्र चंद्राकर, मोहनी साहू, भारती साहू, रितु प्रधान, मंजू टेमरे, भावना मरकाम और देवश्री जोशी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी एवं पुलिसकर्मी उपस्थित थे।

हेलमेट जागरूकता रैली को एसपी ने दिखाई हरी झंडी



शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरी जागरूकता रैली

रूद्री चौक से निकली रैली शहर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी। इसमें पुलिस एवं प्रशासन के अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों, समाजसेवियों और युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रैली के दौरान तख्तियों, नारों और लाउडस्पीकर के माध्यम से लोगों को सुरक्षित यातायात के प्रति जागरूक किया गया।

नवरात्रि विशेष



नवमी : सिद्धिदात्री

नवम नवरात्रि को देवी माता के मंडपों में सिद्धिदात्री देवी की आराधना होती है। सिद्धिदात्री मां दुर्गा का नौवां स्वरूप है। माता की यह शक्ति सभी प्रकार की सिद्धियां देने वाली है। मार्कंडेय पुराण के अनुसार अणिमा, महिमा, गरिमा, लांघना, प्राप्ति, प्राकाम्य, ईशित्व और वशित्व यह आठ सिद्धियां है। ब्रह्मवैवर्तपुराण के श्रीकृष्ण जन्म खंड में यह संख्या अठारह बताई गई है। सिद्धिदात्री को ही जगत को चलाने वाली देवी कहा गया है। देवी पुराण के अनुसार महादेव ने इनकी कृपा से ही सिद्धियां प्राप्त की थी। इन्ही के कृपा से सदाशिव का आधा शरीर देवी का हुआ है। यह भी कथा है कि मधु-कैटभ के वध के लिए महादेवी ने महामाया फैलाई और उसके अनेक रुप हो गए। भ्रमित दानवों ने पूछा कि देवी जब तुम अकेली हो तो इतनी सारी शक्तियां कौन है। तब देवी ने कहा कि सब मेरी शक्तियां हैं। मुझसे अलग कुछ नहीं है। इतना कहते देवी ने तमाम शक्तियां समेट ली और केवल सिद्धिदात्री मां ही रह गई। ऐसे ही समुद्र मंथन के समय सिद्धिदात्री देवी ने ही असुओं को भ्रम में डाला था। सिद्धिदात्री मां कमला ही धन-धान्य की प्रतीक हैं। मां सिद्धिदात्री चार भुजाओं वाली है। कमल पुष्प इनका आसन है। देवी के दाहिने तरफ के नीचे वाले हाथ में चंद्र, उपर वाले हाथ में गदा और बांई तरफ के नीचे वाले हाथ में शंख और उपर वाले हाथ में कमल पुष्प है। जगत का कल्याण करने वाली यह देवी नवरात्री की अधिष्ठात्री भी है। सिद्धिदात्री मां के भक्तों की लौकिक-पारलौकिक सभी प्रकार की कामनाएं पूर्ण होती हैं। सिद्धिदात्री माता का आराधना का मंत्र है-

सिद्धगंधर्वयक्षाद्यैरसुरैरमरैरपि।
सेव्यमाना सदा भूयात सिद्धिदा सिद्धिदायिनी।।

खबर संक्षेप

जिला टीम का चयन 20 को

धमतरी। राज्य स्तरीय पावरलिफ्टिंग प्रतियोगिता दल्लीराजहरा में 23 से 25 अक्टूबर तक होगी। इसमें भाग लेने के लिए धमतरी जिला टीम का चयन 20 अक्टूबर को मेट्रो फिट जिम में सुबह 10:30 होगा। यह जानकारी धमतरी पावर लिफ्टिंग संघ सचिव देवेंद्र यादव ने दी।

रामलीला का मंचन 19 से

धमतरी। ग्राम सांकरा में आदर्श नाटय कला मंडली दवारा 19 अक्टूबर को सीता स्वयंवर, धनुष यज्ञ तथा 20 अक्टूबर को अंगद रावण संवाद, मेघनाथ वध, कुंभकरण वध, रावण वध का कार्यक्रम रखा गया है। कार्यक्रम की तैयारी में अगेश्वर साहू, डुमनलाल, घनश्याम, कामता प्रसाद, खिलेंद्र जुटे हैं।

सेमरा डी में नाचा 20 को

डांडेसरा(धमतरी)। दशहरा पर्व पर ग्रामवासियों के सहयोग से ग्राम सेमरा डी में 20 अक्टूबर को जय करिया ध्रुव छत्तीसगढ़ी नाचा पार्टी कोकोभाठा गोड़बहाल (पिथौरा) जिला महासमुंद का कार्यक्रम रखा गया है।

युवा उत्सव के लिए पंजीयन 19 से

धमतरी। युवाओं की प्रतिभा को मंच प्रदान करने और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के माध्यम से राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने जिला स्तरीय युवा उत्सव 2026-27 का आयोजन नवंबर माह के दूसरे सप्ताह में प्रस्तावित है। इसके लिए 19 अक्टूबर से जिला खेल एवं युवा कल्याण कार्यालय, रूद्री में पंजीयन प्रारंभ होगा। पंजीयन की अंतिम तिथि 27 अक्टूबर है। यह जानकारी एएसओ जेपी देव ने दी।

गंगरेल स्थित आदिशक्ति मां अंगारमोती के दरबार में उमड़ा आस्था का सैलाब

महाअष्टमी में रूढ़ि प्रथा और वैदिक पूजन का दिखा समागम





हरिभूमि न्यूज ⏭धमतरी

क्वांर नवरात्र की महाअष्टमी पर गंगरेल स्थित आदिशक्ति मां अंगारमोती के दरबार में आस्था का सैलाब उमड़ा। यहां हजारों लोग रूढ़ि प्रथा और वैदिक पूजन समागम के साक्षी बने। एक तरफ पारम्परिक रीति-रिवाज से पुजारी, सिरहा, गुनिया ने वहीं दूसरी तरफ विद्वान पंडित ने वैदिक मंत्रों के साथ हवन-यज्ञ संपन्न कराया। इस दौरान माता का दरबार स्वाहा-स्वाहा की गूंज और देव बाजे की धुन से गुंजायमान होता रहा।

मां अंगारमोती की प्रसिद्धि प्रदेश ही नहीं देश दुनिया में है। यहां विदेश के लोग भी मनोकामना ज्योत प्रज्ज्वलित कराते हैं। क्वांर नवरात्र में करीब 7 हजार ज्योति कलश से माता का दरबार जगमगाता रहा। जसगीत, सेवागीत सहित विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम से पूरे नवरात्र भर माता की सेवा होती रही। रविवार को महा अष्टमी पूजा पर हजारों श्रद्धालु शामिल हुए। शाम 4 बजे यहां दो अलग - अलग पूजा विधान का संगम हुआ। आदिशक्ति मां अंगारमोती ट्रस्ट के अध्यक्ष जीवराखन मरई ने बताया कि मां अंगारमोती 52 गांव की अधिष्ठात्री देवी हैं। यहां माता की पूजा रूढ़ि प्रथा से पीढ़ी दर पीढ़ी से चली आ रही है।

इस अवसर पर आदिशक्ति मां अंगारमोती ट्रस्ट के अध्यक्ष जीवराखन मरई, उपाध्यक्ष माधवसिंह ठाकुर, संरक्षक डा.एआर ठाकुर, शिवचरण नेताम, सचिव ढालूराम ध्रुव, सहसचिव देवानंद नेताम, कोषाध्यक्ष ओंकार नेताम, पुजारी ईश्वरी नेताम, सदस्य हेमलाल ठाकुर, कोमल सिंह ठाकुर, नरोत्तम सिंह ठाकुर, मनराखन ठाकुर, उदय नेताम, गणेश्वर ध्रुव, जयपाल सिंह ठाकुर, ललित ठाकुर, छेदप्रसाद कौशक, नारायण सिंह ध्रुव, ठाकुरराम नेताम, नंदा ध्रुव, शशि ध्रुव, भगतराम उइके, रामजी ध्रुव, शत्रुघन नेताम, बलिराम ध्रुव, राधेश्याम नेताम, गीता नेताम, बुधंतीन नेताम, अनीता नेताम, मानसिंह मरकाम, अर्जुनसिंह कोर्राम, तुकाराम मरकाम, शिव कुमार मरकाम, बसंतराम नेताम, राजेंद्र पडौटी, शिव कुमार कुंजाम, मीडिया प्रभारी रामेश्वर मरकाम, नरेंद्र नेताम, हरिराम नेताम, रोशनलाल मरकाम, देवेन्द्र नागवंशी, सोहन कुंजाम सहित अनेक लोग मौजूद थे।

अलग-अलग विधान से हुई माता की पूजा-अर्चना

रूढ़ि प्रथा के तहत पुजारी तथा आदिवासी समाज के लोग माता के समक्ष बैठते हैं। माता की प्रतिमा के सामने पान के 9 पत्ते रखते हैं। उसके ऊपर चावल, नींबू, हल्दी, सुपाड़ी रखकर 9 देवियों के रूप में रूढ़ि रीति-रिवाज से पूजन करते हैं। देव बाजा की धुन में पुजारी, सिरहा, गुनिया को देव की सवारी आती है। सिरहा, गुनिया माता की डांग, देव विग्रहों को लेकर ज्योति कक्षों का भ्रमण करते हैं। इधर मां अंगारमोती के प्रांगण में 9 हवन कुंड बने होते हैं जहां पंडित वैदिक मंत्रों के माध्यम से विधि विधानपूर्वक महाष्टमी का हवन-यज्ञ कराया जाता है। महाअष्टमी की पूजा में माता का दरबार स्वाहा-स्वाहा और देव बाजा की सुरीली आवाज से गुंजयमान होता रहा। पूजा के बाद विराट भंडारे का आयोजन हुआ।

गंगरेल का धार्मिक, प्राकृतिक पर्यटन हुआ गुलजार

- सैलानी फोटो, सेल्फी, रील में कैद कर रहे हैं यादगार पल

हरिभूमि न्यूज ⏭धमतरी

गंगरेल बांध के गेट से पानी छूटने का मनमोहक दृश्य पर्यटकों को खूब लुभा रहा है। रविवार को सैकड़ों सैलानी बांध के खूबसूरत नजारे को कैद करने फोटो, सेल्फी, रील बनाते नजर आए। इधर लगातार पानी छोड़े जाने से बांध का जलभराव 70 प्रतिशत पर आ गया है। वर्षा गतिविधि थमने के बाद बांधों में पानी की आवक काफी कम हो गई है।

रविवार को गंगरेल का प्राकृतिक एवं धार्मिक पर्यटन सैलानियों से गुलजार रहा। पार्किंग में चारपहिया वाहनों की लंबी कतारें लगी रहीं। आवागमन व्यवस्था के लिए बड़ी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई। बांध के अवलोकन साइड में बड़ी संख्या में पर्यटकों की भीड़ उमड़ी।

बालोद निवासी धर्मेंद्र पटेल ने बताया कि वे माता दर्शन तथा गंगरेल पर्यटन के लिए पहुंचे हैं। बांध के तीन गेट के माध्यम से पानी छूटने का मनमोहक नजारा उन्होंने पहली बार देखा है। इस तस्वीर को यादगार बनाने रील बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि बांध से पानी छूटने का नजारा बेहद रोमांचित है।



गंगरेल बांध में 70 फीसदी जलभराव

गंगरेल बांध का जलभराव अब 70 फीसदी रह गया है। बांध से सिंचाई के लिए लगातार पानी छोड़ा जा रहा है। सिंचाई विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार को गंगरेल बांध में 24.985 टीएमसी जलभराव दर्ज किया गया है जो कुल क्षमता का 70 फीसदी है। बांध में पानी की आवक 570 क्यूसेक तथा जावक 7095 क्यूसेक हो रही है। माड़मसिल्ली बांध में 5.690 टीएमसी जलभराव है। यहां पानी की आवक-जावक जीरो है। दुधावा बांध में जलभराव 9.223 टीएमसी है। यहां पानी की आवक 134 क्यूसेक तथा जावक 400 क्यूसेक, सोंदूर बांध में 6.015 टीएमसी जलभराव तथा पानी की आवक 163 क्यूसेक व जावक 340 क्यूसेक बनी हुई है।

जिले में महाष्टमी पर आज स्थानीय अवकाश

- बैंक एवं कोषालय पर लागू नहीं होगा स्थानीय अवकाश

हरिभूमि न्यूज ⏭धमतरी

महाअष्टमी पर्व के अवसर पर 19 अक्टूबर सोमवार को धमतरी जिले में स्थानीय अवकाश रहेगा। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा द्वारा सामान्य पुस्तक परिपत्र भाग-2 के अनुक्रमांक-4 के नियम-8 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कैलेंडर वर्ष 2026 के लिए जिले में 3 स्थानीय अवकाश घोषित किए गए हैं। जारी आदेश के अनुसार पोला पर्व के अवसर पर 10 सितंबर 2026 गुरुवार को स्थानीय अवकाश घोषित किया गया था। इसी क्रम में महाअष्टमी के अवसर पर 19 अक्टूबर सोमवार को तथा दीपावली के दूसरे दिन गोवर्धन पूजा के अवसर पर 9 नवंबर सोमवार को स्थानीय अवकाश निर्धारित किया गया है। उक्त स्थानीय अवकाश संपूर्ण धमतरी जिले में प्रभावशील रहेगा। हालांकि यह अवकाश बैंक एवं कोषालय पर लागू नहीं होगा।

दो जलकर बकायादारों के नल कनेक्शन काटे

हरिभूमि न्यूज ⏭धमतरी

नगर निगम प्रशासन द्वारा जलकर बकायादारों से राशि वसूलने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है।

- छठवें दिन भी जारी रही निगम की कार्रवाई

निगम आयुक्त अरुण वर्मा और उपायुक्त पीसी सार्वा के निर्देश पर 16 अक्टूबर को रिसाईपारा पश्चिम वार्ड में नल कनेक्शन विच्छेद करने की कार्रवाई की गई। इस दौरान बकाया राशि जमा नहीं करने वाले दो उपभोक्ताओं के नल कनेक्शन काटे गए, वहीं दो लोगों ने मौके पर ही जलकर की राशि जमा कर दी।

नगर निगम की टीम द्वारा लगातार छठवें दिन भी कार्रवाई करते हुए बकायादारों को समय पर जलकर जमा करने के लिए जागरूक किया जा रहा है।



उपायुक्त पीसी सार्वा ने जलकर बकायादारों से अपील की है कि वे समय पर जलकर शुल्क जमा कर उसकी रसीद प्राप्त करें, ताकि नल कनेक्शन विच्छेद की कार्रवाई से बच सकें।

इस कार्रवाई में मोहम्मद शेरखान, नितिन बनवासी, सत्यम मूर्ति, कमलेश साहू, हेमंत यादव, बंशी दीप, अमित सोना, निलेश सोना, राजेंद्र मिस्त्री, राधिका पदमवार, देव स्मिता गुप्ता, तारा सहित अन्य शामिल रहे।

रेत खदान खुलने के बाद भी रेट कम नहीं

- निर्धारित दर से तीन गुना अधिक लोडिंग चार्ज की वसूली

हरिभूमि न्यूज ⏭धमतरी

रेत खदानों के खुलने के बाद भी रेट आसमान छू रहे हैं। सप्लायरों को पहले डंप से जिस रेट में रेत मिलती थी, खदान खुलने के बाद भी उसी रेट पर रेत मिल रही है। ऐसे में वे भी अधिक रेट में भवन निर्माताओं को रेत दे रहे हैं। शहर एवं आसपास के गांवों में भी यही स्थिति है। ट्रैक्टरों से भी रेत महंगी पड़ रही है।

एनजीटी के नियम के अनुसार बारिश के चार माह 10 जून से 15 अक्टूबर तक रेत खदानों से डायरेक्ट रेत उत्खनन पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। इस दौरान कई लोगों को डंप की अनुमति दी गई थी, जिन्होंने बारिश से पहले ही रेत सप्लाई के लिए बड़ी मात्रा में नदी से रेत निकालकर दूसरी जगहों पर रखा था। डंपिंग से रेत लोडिंग पर चार्ज भी महंगा कर दिया गया। जानकारी के अनुसार प्रति घन मीटर 600 रुपए चार्ज लिया जा रहा था। अब नदी से उत्खनन पर प्रतिबंध हट गया है। अब सीधे नदी से रेत लोड किया जा रहा है, इसके बाद भी लोडिंग चार्ज कम नहीं किया गया है। सप्लायरों से डंप से लोडिंग पर जितना चार्ज लिया जा रहा था, नदी से भी उतना ही लिया जा रहा है। उधर लोडिंग चार्ज कम नहीं होने से सप्लायर भी पुराने रेट में ही रेत खपा रहे हैं। यही स्थिति ट्रैक्टरों से भी रेत सप्लाई में है। अभी भी शहर में 15 सौ रुपए से उपर प्रति ट्रैक्टर ट्रॉली रेत बिक रही है। आसपास के गांवों में 1800-2000 हजार रुपए तक प्रति ट्रॉली रेत बिक रही है।



खदानों में 600 रुपए घनमीटर के हिसाब से वसूली

सप्लायरों से मिली जानकारी के अनुसार खदानों में करीब 208 रुपए प्रति घन मीटर से लोडिंग चार्ज वसूली पर खदानों का ठेका दिया गया है, लेकिन खदानों में अभी भी 600 रुपए घन मीटर के हिसाब से वसूली की जा रही है। 10 चक्का हाइवा के लिए 6 हजार, 12 चक्का हाइवा के लिए 7500 रुपए, 16 चक्का हाइवा के लिए 9 हजार रुपए की वसूली की जा रही है।

बारिश से फसल खराब होने के कारण आवक घटी, उपभोक्ता परेशान

हरी सब्जियों पर महंगाई की मार, राहत की उम्मीद कम

हरिभूमि न्यूज ⏭धमतरी

शहर के सब्जी बाजारों में इन दिनों हरी सब्जियों की महंगाई से उपभोक्ता परेशान हैं। पिछले एक महीने से सब्जियों के दाम में खास कमी नहीं आई है। कई सब्जियां 100 रुपये किलो तक बिक रही हैं, वहीं हरा धनिया 200 से 300 रुपये किलो तक पहुंच गया है। सब्जियों की बढ़ती कीमत से आम लोगों का घरेलू बजट बिगड़ रहा है।

सब्जी विक्रेता केशव पटेल के अनुसार रविवार को बाजार में गांठगोभी 100 रुपये, बैंगन 30 से 40 रुपये, गाजर 60 रुपये, कुंदरू 40 रुपये, करेला 50 रुपये, बरबटी 40 रुपये, भिंडी 40 रुपये, ग्वारफली 80 रुपये, कद्दू 30 रुपये, टमाटर 30 रुपये, फूलगोभी 60 रुपये, मुनगा 100 रुपये, मिर्च 100 रुपये, केला 40 रुपये, पत्तागोभी 30 रुपये, डोड़का 30 रुपये, तोरई 40 रुपये, कोचई 60 रुपये और मूली 30 रुपये किलो बिकी।

इसी तरह ढेंस 80 रुपये, लौकी 20 रुपये, शिमला मिर्च 60 रुपये, परवल 60 से 80 रुपये, सेमी 80 से 100 रुपये और हरा मटर 150 रुपये किलो रहा। हरा धनिया 150 से 200 रुपये किलो बिक रहा है, जबकि कुछ स्थानों पर इसकी कीमत 300 रुपये तक है। आलू 20 रुपये और प्याज 60 रुपये किलो बिका।



नई फसल आने में लगेगा एक महीना

सब्जी उत्पादक किसान नारायण सोनकर ने बताया कि बारिश के कारण हरी सब्जियों के पौधे खराब हो गए, जिससे बाजार में आवक कम हो गई है। ठंड के मौसम में आने वाली सब्जियों की फसल तैयार की जा रही है। नई फसल के बाजार में पहुंचने में अभी करीब एक माह का समय है तब तक उपभोक्ताओं को सब्जियों की ऊंची कीमत का सामना करना पड़ेगा।

श्यामतराई वनोपज मंडी में आज नहीं होगा क्रय-विक्रय

- 21 अक्टूबर को होगा वनोपज एवं औषधीय उत्पादों का कारोबार

हरिभूमि न्यूज ⏭धमतरी

जिले की व्यापारिक विरासत और स्थानीय आजीविका से जुड़ी श्यामतराई स्थित कृषि उपज मंडी में 19 अक्टूबर को अवकाश होने के कारण वनोपज एवं अन्य औषधीय उत्पादों का क्रय-विक्रय नहीं होगा। इसके स्थान पर बुधवार 21 अक्टूबर को वनोपज एवं अन्य औषधीय उत्पादों का क्रय-विक्रय किया जाएगा। उप संचालक कृषि मोनेश साहू ने बताया कि श्यामतराई स्थित वनोपज मंडी में सामान्यतः प्रत्येक सोमवार को वनोपज एवं विभिन्न औषधीय उत्पादों का क्रय-विक्रय किया जाता है। अवकाश के कारण इस सप्ताह निर्धारित दिवस में परिवर्तन किया गया है। अब सोमवार के स्थान पर बुधवार को मंडी में कारोबार होगा।



मगरलोड में विराजित मां अंबे की प्रतिमा



गांधी चौक स्कूलपारा राजपुर।



दुर्गा उत्सव समिति बीचपारा राजपुर।



शीतला चौक पुरानापारा राजपुर।



नवदुर्गा उत्सव समिति तिरंगा चौक राजपुर।



गौरा चौरा टिकरापारा मेघा।



आदर्श मिलन चौक अरौद।

नवाचार से रोजगार सृजन और आत्मनिर्भरता पर दिया जोर

हरिभूमि न्यूज ⏭मगरलोड

युवाओं में नवाचार, उद्यमिता एवं स्वरोजगार की भावना विकसित करने तथा उन्हें आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रेरित करने के उद्देश्य से यशवंतराव मेघावाले शासकीय महाविद्यालय मगरलोड में युवा धमतरी-स्टार्टअप एवं इनोवेशन चैलेंज प्रतियोगिता एवं कार्यशाला का आयोजन प्राचार्य डॉ. प्रभा वेरुलकर के मार्गदर्शन में हुआ। कार्यक्रम की नोडल अधिकारी श्रीमती दिव्या देवांगन थीं।

कार्यक्रम में जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र धमतरी से पहुंचे मुख्य वक्ता उमेश महिलानी, रवींद्र यादव एवं खिलेंद्र साहू ने विद्यार्थियों को स्टार्टअप, नवाचार, उद्यमिता एवं स्वरोजगार की संभावनाओं के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी। वक्ताओं ने विद्यार्थियों को अपने नवीन विचारों को व्यावहारिक रूप देने, व्यवसाय योजना तैयार करने तथा उद्यमिता के क्षेत्र में उपलब्ध अवसरों का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मक सोच का परिचय देते हुए विभिन्न विचार प्रस्तुत किए।

इस अवसर पर वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. घनश्याम देवांगन, डॉ. यशोदा साहू, निरूपा साहू, दीपक कश्यप, विनोद कुमार, डॉ. सुशीला साहू, श्रीमती वर्षा यादव, सुषमा टंडन, नीरज साहू सहित महाविद्यालयीन स्टाफ उपस्थित था।

मगरलोड महाविद्यालय में 'युवा धमतरी स्टार्टअप एवं इनोवेशन चैलेंज' का आयोजन



स्टार्टअप केवल व्यवसाय शुरू करने तक सीमित नहीं

मुख्य वक्ताओं ने विद्यार्थियों को बताया कि स्टार्टअप केवल व्यवसाय शुरू करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समाज की समस्याओं का समाधान खोजने, रोजगार के नए अवसर उत्पन्न करने और आर्थिक विकास में योगदान देने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों की प्रतिभा को प्रोत्साहित करना, उनमें आत्मविश्वास विकसित करना तथा उन्हें भविष्य में रोजगार सृजक बनने की दिशा में प्रेरित करना था।

कुरुद रियासत की जमींदार बांकाबाई और प्रथम पुजारी बीरसिंह गोड़ से जुड़ी हैं सदियों पुरानी परंपराएं

1000 साल पुरानी आस्था का केंद्र चंडी माई मंदिर, प्राचीन बावड़ी का इतिहास अब भी रहस्य

यशवंत गंजीर ⏭कुरूद

शारदीय नवरात्र के पहले दिन से कुरुद की चंडी माई के दरबार में नौ दिनों तक भक्ति का माहौल रहेगा। स्थानीय मान्यता है कि यहां की आस्था करीब 1000 वर्ष पुरानी है। हाल के दशकों में मंदिर को भव्य स्वरूप दिया गया, लेकिन गर्भगृह में विराजित देवी की मूल प्रतिमा और पारंपरिक पूजा पद्धतियां आज भी श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र हैं।

मंदिर परिसर के पास स्थित प्राचीन बावड़ी का इतिहास अब भी अनसुलझा है। क्वांर और चैत्र नवरात्र में मंदिर में हजारों मनोकामना ज्योत प्रज्वलित की जाती हैं। इन दिनों मंदिर और परिसर को रंग-बिरंगी रोशनी, फूलों और तोरण-पताकाओं से सजाया जाता है। नौ दिनों तक माता सेवा, जसगीत और विशेष पूजा-अर्चना होती है। इस दौरान दूर-दराज से श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं।



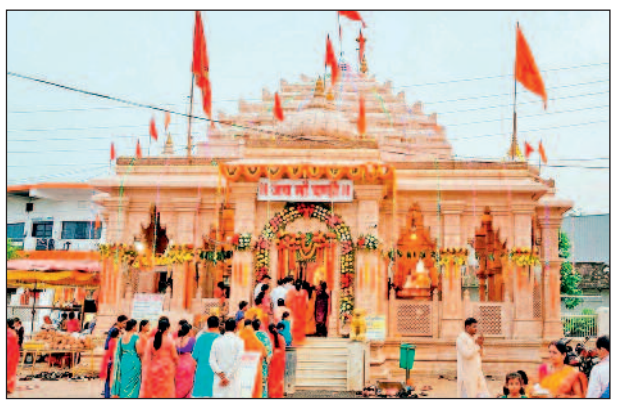

12 फीट गहरी सीढ़ीदार बावड़ी

मंदिर की पूर्व दिशा में माता पुरैना तालाब के पास करीब 12 फीट गहरी सीढ़ीदार बावड़ी है। कठोर मुरूम चट्टानों के बीच बनी इस संरचना का निर्माण कब और किसने कराया, इसका प्रमाणिक विवरण उपलब्ध नहीं है। स्थानीय स्तर पर खुदाई के दौरान प्राचीन अवशेष मिलने की बात कही जाती है। पुरातत्व विभाग का वैज्ञानिक सर्वेक्षण बावड़ी के निर्माणकाल और कुरुद के अतीत से जुड़े सवालों के जवाब तलाशने में मदद कर सकता है।

आदिशक्ति योगमाया के स्वरूप में पूजित हैं मां चंडी

मान्यता के अनुसार मां चंडी आदिशक्ति योगमाया का स्वरूप हैं। श्रद्धालु शुभ कार्यों की शुरुआत माता के दर्शन और आशीर्वाद से करते हैं। नवविवाहित जोड़े सुखी दांपत्य जीवन, जबकि अन्य भक्त संतान प्राप्ति, व्यापार में उन्नति और सुख-समृद्धि की कामना लेकर पहुंचते हैं। पुजारी जितेंद्र नाथ योगी के अनुसार यहां दूर-दराज से भक्त आते हैं। चर्रा निवासी श्रद्धालु कृपाराम यादव बताते हैं कि माता के दर्शन से उन्हें सुख-शांति की अनुभूति होती है। परिसर के पास जलेश्वर महादेव और भैरव बाबा के देवस्थान भी हैं।

बांका बाई और बीरसिंह गोड़ से जुड़ी परंपराएं

कुरुद रियासत की जमींदार बांका बाई के कार्यकाल से मंदिर की धार्मिक प्रतिष्ठा जुड़ी है। विजयादशमी सहित प्रमुख पर्वों पर गांधी चौक स्थित उनके स्मारक चबूतरे पर पूजा होती है। मंदिर के प्रथम पुजारी माने जाने वाले आदिवासी बीरसिंह गोड़ से जंवारा उत्सव की परंपरा भी जुड़ी है। नवरात्र में जंवारा यात्रा के दौरान उनके देवस्थान पर पूजा-अर्चना की जाती है।

आदिम जाति विकास विभाग का नाम बदलने के फैसले का विरोध

हरिभूमि न्यूज ⏭नगरी

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा आदिम जाति विकास विभाग का नाम बदलकर जनजातीय कार्य विभाग किए जाने के निर्णय का विरोध शुरू हो गया है। छत्तीसगढ़ प्रदेश आदिवासी कांग्रेस जिला धमतरी की ओर से मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर विभाग का पुराना नाम बहाल करने की मांग की गई है। पूर्व विधायक डॉ. लक्ष्मी ध्रुव ने आदिवासी समाज की भावनाओं का सम्मान करने की बात कही है।



■ पूर्व विधायक डॉ. लक्ष्मी ध्रुव ने उठाई आवाज

ज्ञापन में कहा है कि छत्तीसगढ़ आदिवासी बहुल राज्य है। आदिम जाति विकास विभाग का नाम समाज की ऐतिहासिक पहचान, सांस्कृतिक अस्मिता, गौरव और सम्मान से जुड़ा है। समाज के प्रतिनिधियों का कहना है कि आदिवासी समाज, जनप्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों से व्यापक चर्चा किए बिना नाम बदलने का निर्णय लिया गया, जिससे असंतोष है।

ज्ञापन के अनुसार आदिम शब्द आदिवासियों के मूल निवासी होने की पहचान से जुड़ा है। आदिवासी समुदाय अपनी विशिष्ट संस्कृति, परंपराओं और धार्मिक मान्यताओं को लंबे समय से संजोए हुए है। जल, जंगल और जमीन उनके जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं।

बिहान दीदियों को एफएलएन की दी जानकारी



हरिभूमि न्यूज ⏭मगरलोड

हमर गांव हमर स्कूल योजना के तहत जोन स्तरीय तीन दिवसीय प्रशिक्षण कुण्डेल में हुआ। इसमें बिहान दीदियों एवं विभिन्न विद्यालयों के प्रधानपाठकों ने सहभागिता की।

■ कुंडेल में 'हमर गांव हमर स्कूल' प्रशिक्षण

प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनर पुष्पलता यादव, छगन विश्वकर्मा, डीआर एवं लालाराम साहू ने विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से सामुदायिक सहभागिता की जानकारी दी। प्रशिक्षण का उद्देश्य बच्चों में हिंदी एवं गणित विषय की बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान (एफएलएन) को मजबूत करना था।

प्रशिक्षण में बच्चों के शैक्षणिक स्तर की जांच करने तथा विद्यालयों में शिक्षण गतिविधियों को रुचिकर बनाने के तरीके बताए गए। बिहान दीदियों ने सीखी गई गतिविधियों को विद्यालयों में लागू करने का आश्वासन दिया। प्रशिक्षण को सफल बनाने में संकुल समन्वयक भूपेंद्र साहू, प्रमेशदीप मानिकपुरी, गोविंद यादव, कुलेश्वर साहू एवं घनश्याम साहू का विशेष सहयोग रहा।

अंचल की खबरें

अरौद के शीतला मंदिर में हुआ हवन पूजन





मगरलोड। ग्राम अरौद के तालाब पार में शीतला मंदिर है। नवरात्रि पर्व पर मनोकामना ज्योति प्रज्वलित कर दुर्गा माता की फूलवाड़ी को सजाया गया है। नवरात्रि की अष्टमी पर रविवार को शीतला माता के पुजारी सुखचंद यादव, ग्रामीण पदाधिकारी सहित ग्रामीणों की उपस्थिति में पूजा-अर्चना कर हवन किया गया। गांव के सैकड़ों महिला, पुरुष और बच्चों ने शीतला माता से आशीर्वाद प्राप्त किया। खीर पूड़ी का प्रसाद बांटा गया।

शनि मंदिर भखारा में जले आस्था के 90 ज्योत





अंवरी। नगर पंचायत भखारा भठेली वार्ड क्रमांक 7 में स्थापित शनि मंदिर में 90 ज्योति कलश प्रज्वलित किए गए हैं। पुजारी पीतांबर मिश्रा, सोन साय, रिद्धि, सिद्धि, भावना मिश्रा एवं समिति द्वारा दुर्गा माता की प्रतिमा एवं शनि महाराज की पूजा-अर्चना में जुटे हुए हैं।

कसही के ग्रामीणों ने की सीसी रोड बनाने की मांग



डाही(धमतरी)। हंकारा पंचायत के आश्रित गांव कसही के ध्रुवंशीपारा में दुर्गाप्रसाद ध्रुवंशी के घर से आत्मा ध्रुवंशी घर तक की गलियां उबड़- खाबड़ हो गई हैं। बार- बार मांग के बाद भी यहां सीसी रोड नहीं बन पाया। ग्रामीणों ने शासन-प्रशासन से सीसी रोड बनाने की मांग की है। मांग करने वालों में डेमन ध्रुवंशी, ओमप्रकाश, भेषलाल, लालाराम, नोमेश, मकसूदन, बबलू, टेकराम, भूषण, बेदराम, बंशीलाल पटेल, कृष्ण पटेल शामिल हैं।

सकारात्मक मन ही बेहतर भविष्य की नींव



आमदी(धमतरी)। शासकीय नवीन महाविद्यालय आमदी में योग के रंग, जुंबा के संग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। एनएसएस छात्र अपर्णा शर्मा के मार्गदर्शन में छात्र-छात्राओं ने संगीत की धुन पर जुंबा डांस एवं शारीरिक व्यायाम में भाग लिया। प्राचार्य डॉ. मनदीप खालसा ने कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा के साथ-साथ स्वास्थ्य का भी विशेष महत्व है। जुंबा डांस जैसी गतिविधियां व्यायाम को आनंददायक बनाती हैं तथा विद्यार्थियों को नियमित शारीरिक गतिविधियों के लिए प्रेरित करती हैं। आज की व्यस्त जीवनशैली में विद्यार्थियों के लिए यह आवश्यक है कि वे पढ़ाई के साथ-साथ अपने स्वास्थ्य पर भी ध्यान दें। स्वस्थ शरीर और सकारात्मक मन ही बेहतर भविष्य की नींव हैं। मौके पर डॉ. गौकरण प्रसाद जायसवाल, अंकित बोधवानी, डिगेश्वर अटल, युगेश्वर प्रसाद, रमेश कुमार, महेश कुमार, भुजेश मंडावी, डॉ. नीता मित्तल एवं डॉ. उपमा सहित महाविद्यालय के प्राध्यापकगण उपस्थित थे।

■ आमदी कालेज में 'योग के रंग, जुंबा के संग' से दिया स्वस्थ जीवनशैली का संदेश

विद्यार्थियों को भावनाओं, भाषा और अधिकारों के महत्व से कराया परिचित

■ आमदी कॉलेज में भावनात्मक बुद्धिमत्ता, संप्रेषण कौशल एवं मानवाधिकार पर व्याख्यानमाला

हरिभूमि न्यूज ⏭आमदी(धमतरी)

शासकीय नवीन महाविद्यालय आमदी में भावनात्मक बुद्धिमत्ता संप्रेषण कौशल एवं मानवाधिकार विषय पर व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता डॉ. सरला द्विवेदी विभागाध्यक्ष मनोविज्ञान विभाग, श्रीमती पल्लवी बरड़िया विभागाध्यक्ष अंग्रेजी विभाग एवं निशा तिवारी सहायक प्राध्यापक राजनीति विज्ञान बाबू छोटेलाल श्रीवास्तव शासकीय महाविद्यालय धमतरी थे।



डॉ. सरला द्विवेदी ने भावनात्मक बुद्धिमत्ता विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि मनुष्य के जीवन में विभिन्न प्रकार की भावनाओं का महत्त्वपूर्ण स्थान है। व्यक्ति केवल प्रेम जैसी सकारात्मक भावनाओं के प्रभाव में ही नहीं, बल्कि क्रोध जैसी नकारात्मक भावनाओं के प्रभाव में भी अपना विवेक खो सकता है।

भाषा से भावनात्मक रूप से जुड़ें

पल्लवी बरडिया ने कहा कि किसी भी भाषा को सीखने के लिए केवल कक्षाओं तक सीमित रहना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उस भाषा से भावनात्मक रूप से जुड़ना, उसे दैनिक जीवन में प्रयोग करना तथा उसके प्रति रुचि विकसित करना अधिक सहायक होता है। निशा तिवारी ने मानवाधिकारों की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों के महत्त्व को भी सरल एवं प्रभावशाली ढंग से समझाया।

मौके पर प्राध्यापकगण डॉ. गौकरण जायसवाल, तरुण बनर्जी, अंकित बुधवानी, डॉ. खुशबू ठाकुर, योगेश्वर साहू, महेश कुमार, रमेश सिंह एवं भुजेश मंडावी की उपस्थिति रही। मंच संचालन डॉ. मित्तल ने किया। प्राचार्य डॉ. मनदीप खालसा ने आभार व्यक्त किया।

खबर संक्षेप



माता की सेवा में जुटे भक्तगण

अंवरी। नगर पंचायत भखारा के वार्ड क्रमांक 3 में मां दुर्गा की प्रतिमा विराजित है। पांच मनोकामना ज्योति कलश प्रज्वलित किए गए हैं। माता की सेवा में पुजारी संजय साहू, हरीश साहू जुटे हैं।

नपा अध्यक्ष ज्योति ने किया चार दिवसीय सजीव झांकी का शुभारंभ

नवरात्रि आत्मशक्ति जागृत करने का पर्व : सरिता

हरिभूमि न्यूज ⏭कुरूद

नवरात्रि पर कुरुद स्थित प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विवि सेवा केंद्र में चैतन्य देवियों की सजीव झांकी शुरू हुई। 4 दिनों तक चलने वाले इस आयोजन में श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक संदेश दिया जा रहा है। शुभारंभ पर धमतरी क्षेत्र की संचालिका राजयोगिनी सरिता दीदी, नपं अध्यक्ष ज्योति चंद्राकर सहित जनप्रतिनिधि और ब्रह्माकुमारी सेवा केंद्र की सदस्य मौजूद रहीं। ब्रह्माकुमारी आशा बहन ने अतिथियों का स्वागत किया।

इस अवसर पर सरिता दीदी ने कहा कि नवरात्रि देवी आराधना के साथ अपनी आंतरिक शक्तियों को पहचानने और उन्हें जागृत करने का अवसर है। शिव से शक्ति प्राप्त करने की आध्यात्मिक अवधारणा जीवन में सकारात्मक परिवर्तन की प्रेरणा देती है।

उन्होंने कहा कि काम, क्रोध, लोभ, मोह और अहंकार जैसे विकारों पर नियंत्रण रखकर मन को श्रेष्ठ विचारों से जोड़ना चाहिए। आत्मचिंतन और राजयोग के अभ्यास से जीवन में शांति एवं सकारात्मकता लाई जा सकती है।

कार्यक्रम में पार्षद कविता चंद्राकर, सितेश सिन्हा, रवि मानिकपुरी, सेवा केंद्र संचालिका राजयोगिनी सुनीता दीदी और जिला क्रीड़ा अधिकारी हरीश देवांगन सहित अन्य लोग उपस्थित थे।



सकारात्मक सोच से बनेगा श्रेष्ठ समाज

नपा अध्यक्ष ज्योति ने कहा कि समाज के जरूरतमंद लोगों की सेवा करना मानवीय दायित्व है। सेवा कार्यों को ईश्वर के प्रति समर्पण की भावना से करना चाहिए। उन्होंने ब्रह्माकुमारी संस्था की गतिविधियों की सराहना करते हुए कहा कि आध्यात्मिक मूल्यों को व्यवहार में अपनाने से व्यक्ति के आचरण में सकारात्मक बदलाव आता है। ऐसे प्रयास समाज में स्वस्थ वातावरण और बेहतर सामाजिक संबंधों के निर्माण में सहायक होते हैं।

Pride of Dhamtari





विज्ञापन के लिए संपर्क करें :- हरिभूमि
धमतरी - 98261-14710, 75873-71999, कुरुद - 98268-82770, नगरी - 75818-01429
मगरलोड - 97526-17538, सिर्री - 99261-66875, जौजागगांव - 95754-57523, अंवरी-97535-23273
राजधानी मार्ग, मसीही चिकित्सालय के सामने, धमतरी फोन : 07722-357201



जय अम्बे



धमतरी। यादगार दुर्गोत्सव समिति, सोरिद नगर



धमतरी। यादगार दुर्गोत्सव समिति, सोरिद नगर



डाही। आदर्श गुलमत के फूल महावीर चौक



डाही। कसही



डाही। नव जागृति दुर्गोत्सव समिति भाटापारा डांडेसरा

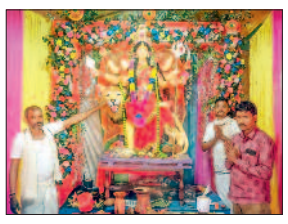

डाही। नव युवक दुर्गा समिति बजरंग चौक ग्राम विकास समिति बिजनापुरी



डाही। नव युवक दुर्गोत्सव समिति गौरा- गौरी चौक बोड़रा



डाही। नव युवक दुर्गोत्सव समिति बाजार चौक डाही



डाही। नव युवक दुर्गोत्सव समिति बाजार चौक डाही

20 अक्टूबर को होगा भव्य दशहरा और रावण वध

जीजामगांव में अस्सी वर्षों से जीवंत है राम-कृष्ण लीला की परम्परा





हरिभूमि न्यूज ⏭जीजामगांव

ग्राम जीजामगांव में धार्मिक आस्था, सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक समरसता की अनूठी मिसाल पेश करने वाली ऐतिहासिक रामलीला एवं कृष्णलीला की परंपरा लगभग 80 वर्षों से निरंतर चली आ रही है। इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष भी 16, 17, 18 एवं 19 अक्टूबर को आध्यात्मिक लीला नाटक का मंचन किया गया। 20 अक्टूबर को भव्य दशहरा उत्सव एवं रावण वध का आयोजन होगा। जीजामगांव की रामलीला एवं कृष्णलीला केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि धार्मिक आस्था, भारतीय संस्कृति और नैतिक मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम है। भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण के जीवन प्रसंगों पर आधारित इन लीलाओं के माध्यम से दर्शकों को सत्य, धर्म, न्याय, कर्तव्य और सदाचार का संदेश दिया जाता है। कलाकार विभिन्न पात्रों के माध्यम से पौराणिक प्रसंगों को जीवंत करते हैं, जिससे नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक विरासत से जुड़ने का अवसर मिलता है।



भगवान राम और कृष्ण के आदर्श हमारे जीवन के आधार

लीला मंडली के संचालक एवं सेवानिवृत्त शिक्षक संतराम साहू ने बताया कि ग्राम में लगभग 80 वर्षों से रामलीला और कृष्णलीला के मंचन की परंपरा चली आ रही है। भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण के आदर्श हमारे जीवन के आधार हैं। उनके बताए मार्ग पर चलकर व्यक्ति अपने जीवन को सफल बना सकता है। ऐसे आयोजन से धार्मिक चेतना के साथ सामाजिक एकता और आपसी भाईचारे को भी मजबूती मिलती है।

दिवंगत कलाकारों की विरासत को आगे बढ़ा रही लीला मंडली

इस आयोजन की विशेषता यह है कि इसकी नींव रखने और वर्षों तक परंपरा को जीवित रखने वाले दिवंगत कलाकारों के योगदान को आज भी सम्मानपूर्वक याद किया जाता है। उनके समर्पण, मेहनत और कलात्मक योगदान के कारण ही यह धार्मिक आयोजन आज भी अपनी पहचान बनाए हुए है। वर्तमान में युवा कलाकार और ग्रामीण मिलकर इस विरासत को आगे बढ़ाने में जुटे हैं।

नौ वर्ष की उम्र से लीला मंचन से जुड़े हैं संतराम

लीला मंडली के संचालक संतराम साहू मात्र नौ वर्ष की उम्र से इस परंपरा से जुड़े हुए हैं। उन्होंने अपने लंबे कलात्मक सफर में भगवान श्रीराम, रावण, श्रीकृष्ण, कंस, अभिमन्यु और दुर्योधन सहित विभिन्न पात्रों की भूमिकाएं निभाकर अपनी अभिनय प्रतिभा का प्रदर्शन किया है।

खल्लारी के मां कालिका देवी मंदिर में उमड़ती है श्रद्धालुओं की आस्था





हरिभूमि न्यूज ⏭नगरी

नगरी विकासखंड के अंतिम छोर पर स्थित ग्राम पंचायत खल्लारी का मां कालिका देवी मंदिर क्षेत्र के प्रमुख आस्था केंद्रों में से एक है। तहसील मुख्यालय नगरी से लगभग 35 किलोमीटर दूर स्थित इस मंदिर में शारदीय एव क्वांर नवरात्रि पर आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं।

स्थानीय मान्यताओं के अनुसार मां कालिका देवी का प्राकट्य वर्ष 1983 में धरती फोड़कर हुआ था। बताया जाता है कि वन विभाग के कर्मचारियों को यहां देवी के चमत्कारिक रूप कई दिनों तक दिखाई दिए। उसके बाद उन्होंने गांववालों को इसकी जानकारी दी, जिसके बाद इसी स्थान पर माता की स्थापना की गई।

श्रद्धालुओं की मान्यता है कि सच्चे मन से मांगी गई मनोकामना माता के आशीर्वाद से पूर्ण होती है। यही कारण है कि नवरात्रि के दौरान मंदिर में भक्तों की भीड़ उमड़ती है और पूरा क्षेत्र भक्तिमय वातावरण से सराबोर हो जाता है।

गौतम ऋषि का लेते हैं आशीर्वाद

मां कालिका देवी मंदिर के साथ ही खल्लारी क्षेत्र में स्थित पहाड़ पर विराजमान गौतम ऋषि का मंदिर भी श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र है। प्राकृतिक सुंदरता और धार्मिक महत्व से जुड़ा यह क्षेत्र स्थानीय संस्कृति और परंपराओं की पहचान बना हुआ है। नवरात्रि के दौरान यहां पहुंचने वाले श्रद्धालु माता के दर्शन के साथ गौतम ऋषि के दर्शन कर आध्यात्मिक शांति और आशीर्वाद प्राप्त करते हैं।

सेजेस बठेना की छात्रा ने जीता कांस्य पदक



धमतरी। पीएम श्री एमआरडी शासकीय उच्चतर माध्यमिक उत्कृष्ट विद्यालय बठेना की कक्षा 6वीं की छात्रा काव्यांशी पटेल ने राज्य स्तर पर विद्यालय का नाम रोशन किया है। काव्यांशी ने स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित राज्यस्तरीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए तृतीय स्थान प्राप्त कर कांस्य पदक जीता है। इस उपलब्धि पर शाला प्रबंधन विकास समिति अध्यक्ष श्रीमती रेवती सिन्हा, उपाध्यक्ष लक्ष्मण गौतम, बठेना वार्ड पार्षद श्यामलाल नेताम, सरदार वल्लभ भाई पटेल वार्ड पार्षद भारती साहू ने हर्ष व्यक्त किया है।

जसगीत और झांकियों ने बांधा समां देर रात तक झूमते रहे श्रद्धालु



■ ज्योति विद्या जस झांकी फिंगेश्वर छुरा की मनमोहक प्रस्तुति ने मोहा मन

हरिभूमि न्यूज ⏭नगरी

नगर में शारदीय नवरात्रि महोत्सव पर आयोजित रात्रिकालीन सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भक्ति और उत्साह का अनूठा संगम देखने को मिल रहा है। इसी कड़ी में ज्योति विद्या जस झांकी फिंगेश्वर (छुरा) के कलाकारों ने अपनी शानदार प्रस्तुति से समां बांध दिया। माता रानी की महिमा का गुणगान करते हुए कलाकारों ने एक से बढ़कर एक जसगीत, कर्मा, ददरिया और सुवा गीतों की प्रस्तुति दी। भक्ति संगीत और आकर्षक झांकियों ने उपस्थित श्रद्धालुओं का मन मोह लिया।

गायक श्री निषाद एवं उनकी टीम ने अपनी गायन शैली और मनमोहक प्रस्तुतियों से पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। माता रानी के जयकारों और भक्ति गीतों से कार्यक्रम स्थल गूंज उठा। कार्यक्रम का आनंद लेने के लिए नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। कार्यक्रम में महोत्सव समिति के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष राकेश रोशन सहित समिति के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में नगरवासी उपस्थित रहे।

नवरात्रि महोत्सव के आगामी कार्यक्रम

महोत्सव समिति द्वारा आगामी दिनों में भी धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की जाएगी। 19 अक्टूबर सोमवार को दोपहर 12 बजे से हवन एवं पूर्णाहुति का आयोजन होगा। रात्रि 9 बजे से महावीरपारा मानस मंडली नगरी द्वारा विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी जाएगी। 20 अक्टूबर को रात्रि 9 बजे से माता विसर्जन के अवसर पर एमकेडी अघोरी ग्रुप सुरडुंग की प्रस्तुति होगी। 21 अक्टूबर को विजयादशमी महोत्सव के अंतर्गत शाम 6 बजे से रावणभाटा मैदान में नई बस्ती माता सेवादल नगरी द्वारा आकर्षक आतिशबाजी के साथ रावण वध कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। रात्रि 9 बजे से हाईस्कूल मैदान में रायपुर के विवेक शर्मा की स्टार नाइट प्रस्तुति होगी।

अंचल की खबरें

फैंसी ड्रेस में धीवर समाज के बच्चों ने दिखाई प्रतिभा



धमतरी। नवरात्र पर्व की सप्तमी को आयोजित फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में धीवर समाज के 35 बच्चों ने विभिन्न ऐतिहासिक एवं पौराणिक पात्रों की वेशभूषा में मंच पर अपनी सुंदर प्रस्तुति दी। अन्य समाज के बच्चों ने भी अपनी कलात्मक प्रस्तुति से दर्शकों का मन मोह लिया। धीवर समाज के महासंरक्षक परमेश्वर फूटान, संरक्षक होरीलाल मत्स्यपाल, अध्यक्ष नर्मदा प्रसाद जगबेड़हा, सचिव सोहनलाल धीवर ने कहा कि इन कार्यक्रमों के माध्यम से बच्चों को एक स्थायी मंच प्रदान किया जाता है। अब तक हुए विभिन्न कार्यक्रम में 250 से अधिक बच्चों ने भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है।

बांधा में डीजे डांस स्पर्धा आज

नगरी। ग्राम पंचायत बांधा में बारहपाली समिति द्वारा आज सोमवार को रात्रिकालीन डीजे डांस प्रतियोगिता आयोजित की गई है। प्रवेश निःशुल्क दिया जाएगा। सामूहिक नृत्य में प्रथम पुरस्कार 3000, द्वितीय 1500, युगल नृत्य में प्रथम पुरस्कार 1500, द्वितीय 700, एकल नृत्य में प्रथम पुरस्कार 1000, द्वितीय पुरस्कार 500 पुरस्कार रखा है। मुख्य अतिथि जनपद सदस्य पुष्पा देवी होंगी। अध्यक्षता सुरजन ध्रुव पाली अध्यक्ष करेंगे। विशिष्ट अतिथि कलावती मरकाम जनपद सदस्य दुगली, रमेश मंडावी सरपंच बांधा, उत्तम नेताम सरपंच राजपुर, रूपेंद्र मरकाम सरपंच कल्लेमेट्टा होंगे।

फरसियां में 20 को राज्यस्तरीय डीजे डांस



नगरी। नव आनंद कला मंदिर के तत्वावधान में 20 अक्टूबर को राज्यस्तरीय डीजे डांस प्रतियोगिता का आयोजन दुर्गा चौक फरसियां में रात 9 बजे से शुरू होगा। प्रतियोगिता में सामूहिक नृत्य, युगल नृत्य और एकल नृत्य की विभिन्न श्रेणियों में प्रतिभागी अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे। सामूहिक नृत्य प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार 10 हजार रुपये, द्वितीय पुरस्कार 6 हजार रुपये और तृतीय पुरस्कार 4 हजार रुपये निर्धारित है। इसमें प्रवेश शुल्क 200 रुपये रहेगा। युगल नृत्य में प्रथम पुरस्कार 4 हजार, द्वितीय 3 हजार और तृतीय 2 हजार रुपये है। इसकी प्रवेश फीस 150 रुपये है। एकल नृत्य प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार 2100 रुपये, द्वितीय 1500 रुपये और तृतीय पुरस्कार 1000 रुपये निर्धारित है। एकल नृत्य के लिए प्रवेश शुल्क 100 रुपये रखा गया है।

पेंडरवानी में 11 फीट मां काली की प्रतिमा बनी आकर्षण का केंद्र



धमतरी। ग्राम पेंडरवानी में जय माता रानी दुर्गा उत्सव समिति द्वारा 12 वर्षों से लगातार माता रानी की स्थापना की जा रही है। समिति के अध्यक्ष लिखन साहू ने बताया कि इस बार मां काली की 11 फीट की प्रतिमा श्रद्धालुओं को आकर्षित कर रही है। उन्होंने युवा पीढ़ी को संदेश देते हुए कहा कि अपने भीतर के डर और संशयों का संहार करें। जीवन में आने वाली हर चुनौती का सामना बिना डरे पूरे आत्मविश्वास के साथ करें। नवरात्रि के छटवें दिन शिव विवाह और महिसासुर वध झांकी आमदी का कार्यक्रम हुआ। शनिवार को शंकरदाह का जगराता हुआ। कार्यक्रम के अतिथि मनीष देवांगन, सुरेश देवांगन, कामदेव साहू, गजेंद्र साहू, ईश्वर साहू, संजय साहू, लखन देवांगन थे। माता की सेवा में संरक्षक यश्कुमार साहू, अध्यक्ष लिखन साहू, उपाध्यक्ष बृजेश देवांगन, कोषाध्यक्ष खेमराज साहू, सचिव निरंजन साहू, सहसचिव त्रिलोचन देवांगन व सदस्यगण जुटे हैं।

एबीवीपी की लगातार जीत युवाओं के राष्ट्रवादी विचारों का प्रमाण : सालुंके

धमतरी। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की विभिन्न राज्यों में लगातार जीत को लेकर धमतरी नगर मंत्री आर्यन राव सालुंके ने कहा कि पंजाब यूनिवर्सिटी, दिल्ली विश्वविद्यालय, कर्नाटक, केरल, उत्तराखंड सहित ओडिशा के 13 विश्वविद्यालयों में वर्ष 2026 में मिली जीत छात्र समुदाय के बढ़ते विश्वास को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि युवा राष्ट्रवादी विचारधारा, संस्कारयुक्त शिक्षा और राष्ट्र प्रथम की भावना को महत्व दे रहे हैं। यह जीत कार्यकर्ताओं के समर्पण का परिणाम है। श्री सालुंके ने कहा कि छत्तीसगढ़ में वर्ष 2017 से छात्रसंघ चुनाव बंद हैं। मध्यप्रदेश में चुनाव कराने की घोषणा के बाद उम्मीद है कि छत्तीसगढ़ में भी जल्द चुनाव बहाल होंगे, जिससे विद्यार्थियों को लोकतांत्रिक मंच मिल सके।



निधन : सोहगीबाई साहू



सिर्री। ग्राम सिर्री निवासी सोहगीबाई साहू 85 वर्ष का निधन 17 अक्टूबर शनिवार को हो गया। वे नैनसिंग, चुन्नूराम, डोमार साहू की मां थी। उनका अंतिम संस्कार गृहग्राम में किया गया। उनको श्रद्धांजलि अर्पित करने काफी संख्या में परिजन, समाजजन एवं ग्रामीणों की भीड़ उमड़ी।



डाही। अंगारा



जय माता दी



डाही। मारुति नंदन युवा दुर्गोत्सव समिति बस्ती पारा डांडेसरा



डाही। न्यू दुर्गोत्सव समिति बोड़रा



मगरलोड। सरगम समिति दुर्गोत्सव समिति।



मगरलोड। जय माँ शीतला करेली बड़ी



मगरलोड। जय माता दी दुर्गोउत्सव समिति मजराटोला करेली



सांकरा। नवदुर्गा उत्सव समिति गांधी चौक सांकरा।

डाही में आज होगी पंडवानी की प्रस्तुति

डाही धमतरी। ग्राम डाही में सुर सुरभि ग्राम मड़ेली छुरा जिला गरियाबंद का पंडवानी कार्यक्रम 19 अक्टूबर को रखा गया है। कार्यक्रम की तैयारी में टेकू साहू, नेमूराम सिन्हा, डिगेश्वर पटेल, ओमेश्वर पटेल, खिलेश पटेल, ललित सिन्हा, ढालेश देवांगन जुटे हैं। यह जानकारी सुमन देवांगन सरपंच, ऋतु सिन्हा पंच, मनोहर पटेल पंडा, निर्मल पटेल ने दी है।



पारंपरिक गीतों व नृत्यों से सजा कुरुद दशहरा महोत्सव

रंग झरोखा और सुनील तिवारी नाइट के बाद महतारी मंच ने मोहा मन



हरिभूमि न्यूज ⏭कुरूद

नगर दशहरा उत्सव समिति द्वारा आयोजित ऐतिहासिक कुरुद दशहरा महोत्सव-2026 के भव्य मंच पर नवरात्र पर्व के दौरान लोक-संस्कृति की अविरल त्रिवेणी बह रही है। विगत 27 वर्षों से जारी इस आयोजन में तृतीय दिवस से सप्तमी तक छत्तीसगढ़ के शीर्ष सांस्कृतिक दलों ने शानदार प्रस्तुतियां देकर हजारों दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

सप्तमी की विशेष संध्या चंद्रभूषण वर्मा कृत महतारी लोक कला मंच के नाम रही। पारंपरिक गीतों व नृत्यों से सजी इस संध्या में कुरुद ग्रामीण जनप्रतिनिधियों व नगर के विभिन्न संघ-संगठनों का सम्मान हुआ। मुख्य अतिथि जिला पंचायत उपाध्यक्ष गौकरण साहू ने कहा कि विधायक अजय चन्द्राकर के संरक्षण में यह उत्सव ऐतिहासिक महोत्सव का रूप ले चुका है। अध्यक्षता करते हुए भखारा नपं उपाध्यक्ष विष्णु साहू ने कहा कि यह आयोजन क्षेत्र की सांस्कृतिक धरोहर को मजबूत कर रहा है। अधिवक्ता संघ अध्यक्ष रमेश पांडे ने समिति के प्रयास की सराहना की।



इससे पूर्व पंचमी को सुनील तिवारी नाइट में छत्तीसगढ़ी गीतों पर दर्शक देर रात तक झूमे। मुख्य अतिथि नपा अध्यक्ष ज्योति चन्द्राकर ने कहा कि विधायक के मार्गदर्शन में नगर के विकास और सांस्कृतिक आयोजनों में क्रांतिकारी बदलाव आया है। पूर्व नपं अध्यक्ष निरंजन सिन्हा व स्वयं कलाकार सुनील तिवारी ने भी मंच की सराहना की। तृतीय दिवस पर रंग झरोखा की प्रस्तुति के दौरान मुख्य अतिथि बीएमओ डॉ. हेमराज देवांगन, थाना प्रभारी कमल ठाकुर व नायब तहसीलदार योगेंद्र निर्मलकर ने सभी वर्गों को एक मंच पर जोड़ने की परंपरा को सराहा। महासचिव भानु चन्द्राकर ने आभार जताते हुए इसे नगरवासियों का साझा गौरव बताया।



आज संबलपुर में शतचंडी महायज्ञ

■ श्रीमद् देवी भागवत कथा के समापन पर होंगे विशेष धार्मिक अनुष्ठान

हरिभूमि न्यूज ⏭धमतरी



ग्राम संबलपुर स्थित कालिका पीठेश्वर धाम कैजान टोयोटा शो रूम के पास 19 अक्टूबर को श्रीमद् देवी भागवत कथा एवं शतचंडी महायज्ञ के समापन अवसर पर विशेष धार्मिक कार्यक्रम होगा। सुबह 10 बजे से यज्ञ अनुष्ठान, कन्या भोज एवं महाप्रसादी का आयोजन होगा। सच्चियाय माता जी एवं जय मां पद्मावती के विशेष अनुष्ठान भी संपन्न कराए जाएंगे। गौरतलब है कि 11 अक्टूबर से आयोजित श्रीमद् देवी भागवत कथा का वाचन ज्ञानेश्वर महाराज के मुखारविंद से किया जा रहा है। नौ दिवसीय इस धार्मिक आयोजन में श्रद्धालु देवी भागवत कथा का श्रवण कर रहे हैं। श्री लक्ष्मीनारायण सेवा समिति के संरक्षक अशोक गुप्ता ने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन हमारी आस्था, संस्कृति और सामाजिक एकता को मजबूत करते हैं। श्रद्धालु यज्ञ अनुष्ठान में सहभागी बनें। आयोजक सुरेश बागमार एवं उषा बागमार परिवार केशकाल-रायपुर ने श्रद्धालुओं से कार्यक्रम में शामिल होकर मां जगदंबा का आशीर्वाद प्राप्त करने का आग्रह किया है।

कुरुद में 21-21 मीटर की चुनरी यात्रा जय माता दी के जयकारों से गूंजा नगर



■ नंदी की सवारी, प्रेत झांकी और बस्तरिहा नाचा रहे आकर्षण का केंद्र

हरिभूमि न्यूज ⏭कुरूद

क्वांर नवरात्र की सप्तमी पर शनिवार को कुरुद में माता रानी की भव्य चुनरी यात्रा निकाली गई। नव दुर्गोत्सव समिति कारगिल चौक और नव दिव्य दुर्गोत्सव समिति गांधी चौक के संयुक्त तत्वावधान में निकली यात्रा में श्रद्धालु 21-21 मीटर लंबी चुनरी लेकर शामिल हुए। जय माता दी के जयकारों और ढोल-नगाड़ों की गूंज से नगर का माहौल भक्तिमय हो गया। विधायक अजय चंद्राकर भी यात्रा में शामिल हुए और माता के दर्शन कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की।

यात्रा में भगवान शिव के वाहन नंदी की सवारी, प्रेत झांकी और पारंपरिक बस्तरिहा नाचा विशेष आकर्षण रहे। लोक कलाकारों की प्रस्तुतियों ने श्रद्धालुओं को झूमने पर मजबूर किया। यात्रा के मार्ग में लोगों की भीड़ जुटी और श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर चुनरी यात्रा का स्वागत किया।

गांधी चौक से शुरू हुई यात्रा थाना चौक, पुराना बाजार, सरोजनी चौक, पुराना बस स्टैंड और कारगिल चौक सहित नगर के प्रमुख मार्गों से गुजरी। इसमें महिलाएं, युवा और बुजुर्ग बड़ी संख्या में शामिल हुए। हाथों में चुनरी लिए श्रद्धालु माता के जयकारे लगाते हुए आगे बढ़ते रहे। चुनरी यात्रा में धार्मिक आस्था के साथ छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति की झलक भी देखने को मिली।

विभिन्न राज्यों की लोक संस्कृति पर आधारित परिधानों ने मोहा दर्शकों का मन



हरिभूमि न्यूज ⏭धमतरी

महाराणा प्रताप पैलेस एंड रिजॉर्ट द्वारा आयोजित रास गरबा सीजन-5 में भक्ति, उत्साह, भारतीय संस्कृति और लोक परंपराओं का अद्भुत संगम देखने को मिला। कार्यक्रम में महापौर रामू रोरा, ऋतुराज पवार, श्रेया ठाकुर सहित अनेक गणमान्य अतिथियों ने सहभागिता की।

इस वर्ष रास गरबा में पारंपरिक गरबा के साथ भारतीय संस्कृति, विविधता और लोक विरासत को विशेष महत्व दिया गया। प्रतिभागियों ने विभिन्न राज्यों की लोक संस्कृति, लोक नृत्यों और पारंपरिक वेशभूषा पर आधारित परिधान धारण कर अपनी शानदार प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया। विशेष रूप से कंतारा की थीम पर आधारित आदिवासी परिधान और विभिन्न राज्यों की पारंपरिक वेशभूषा आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहे। इन प्रस्तुतियों के माध्यम से भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और विविध परंपराओं की सुंदर झलक देखने को मिली। फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता ने उत्सव में चार चांद लगा दिए।

आयोजन में पवन गजपाल, श्वेता गजपाल, विशाल त्रिवेदी, नीतू त्रिवेदी, अविनाश दुबे, विकास राठी, प्रेम प्रकाश साहू, पुखराज साहू, अनिकेत देवांगन, हिंदू जागरण मंच की ओर से दीपक सिंह ठाकुर, पुरुषोत्तम निषाद, चित्रेश साहू, राकेश्वर साहू, अभिषेक साहू सहित अन्य सम्मिलित हुए। आयोजन को सुव्यवस्थित बनाने में रास गरबा के प्रमुख वेद प्रकाश साहू एवं उनकी टीम का योगदान सराहनीय रहा।

फूलों की होली से कृष्णमय हुआ आराध्य गरबा

■ भक्ति और भारतीय संस्कृति के रंग में रंगे युवा गरबा प्रेमी

हरिभूमि न्यूज ⏭धमतरी

आराध्य गरबा में श्रीकृष्ण भक्ति की मनोहारी थीम, राधा-कृष्ण के प्रेम और फूलों की होली ने पूरे परिसर को भक्तिमय बना दिया। रंग-बिरंगे फूलों की वर्षा के बीच गरबा प्रेमियों ने उत्साह और उमंग के साथ श्री कृष्ण की भक्ति का आनंद लिया। कार्यक्रम में पूर्व विधायक रंजना साहू तथा लेखराम साहू उपस्थित रहे।

आराध्य गरबा धर्म, समर्पण और सामाजिक समरसता का प्रतीक : रंजना साहू

पूर्व विधायक रंजना साहू ने कहा कि गरबा के आयोजन अनेक स्थानों पर होते हैं, लेकिन धमतरी में पंडित राजेश शर्मा का आयोजन धर्म, संस्कृति और अपने शहर के लोगों के प्रति उनके समर्पण को दर्शाता है। यहां सभी वर्गों के लोग बिना किसी भेदभाव के एक साथ गरबा का आनंद ले रहे हैं। यही सामाजिक समरसता और हमारी सांस्कृतिक एकता की वास्तविक पहचान है।



युवा भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा के परिचायक : राजेश शर्मा

आराध्य गरबा के आयोजक पंडित राजेश शर्मा ने कहा कि गरबा में पहुंचे ये युवा मेरे बच्चे हैं। ये भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा के सच्चे परिचायक हैं। आज की युवा पीढ़ी भगवान श्रीराम, श्रीकृष्ण और भगवान शिव की भक्ति में लीन होकर अपनी सभ्यता, संस्कृति और धर्म पर गर्व कर रही है। हमारी संस्कृति हमारी पहचान है और इसे अगली पीढ़ी तक पहुंचाना हम सभी का दायित्व है।

धार्मिक चेतना मजबूत हो रही : लेखराम साहू

पूर्व विधायक लेखराम साहू ने कहा कि पंडित राजेश शर्मा के इस वृहद आयोजन का हिस्सा बनकर और यहां पहुंचे गरबा प्रेमियों की उमंग देखकर मन प्रसन्न हो गया। इतनी बड़ी संख्या में लोगों का एक साथ जुटना धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक जुड़ाव का परिचायक है। ऐसे आयोजन समाज को जोड़ने, धार्मिक चेतना को मजबूत करने और नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति से परिचित कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

दंतेश्वरी मंदिर में हवन-पूजन के साथ नौ कन्या भोज हुआ



■ इस वर्ष 271 मनोकामना ज्योति प्रज्ज्वलित की गई

हरिभूमि न्यूज ⏭सांकरा

शारदीय नवरात्रि पर सांकरा में स्थित प्रसिद्ध मां दंतेश्वरी मंदिर में नव कन्या पूजन एवं हवन पूजन का आयोजन श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ किया गया। ज्ञात हो कि दंतेश्वरी मंदिर में इस वर्ष 271 मनोकामना ज्योति प्रज्ज्वलित की गई थी। ज्योति कलश जलाने वाले श्रद्धालुओं के लिए हवन कुंड की व्यवस्था की गई थी। हवन में आहुति देने एवं नव कन्या पूजन करने के लिए श्रद्धालुओं का आगमन सुबह से ही मंदिर प्रांगण में होता रहा। धार्मिक परंपराओं के अनुसार नौ कन्याओं को नवदुर्गा के नौ स्वरूपों का प्रतीक मानकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। इस दौरान लंगूरवा महाराज की भी पूजा कर आशीर्वाद प्राप्त किया गया।

आचार्य उदयभानु दीवान ने बताया कि नवरात्रि में कन्या पूजन का विशेष धार्मिक महत्व है। छोटी कन्याओं को मां दुर्गा के नौ स्वरूपों का प्रतीक मानकर उनकी पूजा की जाती है। इसी परंपरा का निर्वहन करते हुए दंतेश्वरी मंदिर में विधिवत हवन पूजन कर नौ कन्या भोज संपन्न कराया गया। लंगूरवा महाराज को खीर, पूड़ी, फल और विभिन्न स्वादिष्ट व्यंजनों का भोग अर्पित किया गया। मौके पर सिहावा विधायक अंबिका मरकाम, सरपंच नागेंद्र बोरझा, माई दंतेश्वरी मंदिर के पुजारी यतींद्र पटेल, गोपी पटेल, चुम्मन पटेल, दंतेश्वरी मंदिर के सदस्य गिरवर भंडारी , जनक राम साहू, पवन साहू लखन लाल, जन्मेजय साहू, नेमू साहू, मोहन साहू, साधुराम साहू समेत अनेक श्रद्धालु उपस्थित थे।

3.23 करोड़ से शहर की प्रमुख सड़कों का होगा डामरीकरण, दीपावली के बाद शुरू होगा काम

■ पांच प्रमुख मार्गों के लिए राशि स्वीकृत, खराब सड़कों और गड्ढों से मिलेगी राहत

हरिभूमि न्यूज ⏭धमतरी



शहर की प्रमुख सड़कों के डामरीकरण के लिए 3 करोड़ 23 लाख रुपये की स्वीकृति दी गई है। नगर निगम के लोक निर्माण विभाग अध्यक्ष विजय मोटवानी ने बताया कि दीपावली के बाद कार्य प्रारंभ होगा। इसके लिए निविदा और वर्क ऑर्डर जारी हो चुके हैं। डामरीकरण के तहत घड़ी चौक से रामबाग तक 1.15 करोड़, मठ मंदिर चौक से छत्रपति शिवाजी प्रतिमा स्थल तक 43 लाख, शिव चौक से विमल टॉकीज होते हुए एनएच-30 तक 38 लाख, म्युनिस्पिल स्कूल चौक से दुर्गा चौक होते हुए नगर निगम एवं डॉ. एनपी. गुप्ता तक 95 लाख तथा बालक चौक से भगत सिंह चौक होते हुए रोकड़िया चौक तक 33 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे।

मोटवानी ने बताया कि लगभग आठ वर्ष पूर्व तत्कालीन महापौर अर्चना चौबे, सभापति राजेंद्र शर्मा और पार्षदों के प्रयास से इन मार्गों का निर्माण हुआ था। वर्तमान में सड़कें जर्जर होने और गड्ढे बढ़ने से नागरिकों को परेशानी हो रही है।

उन्होंने स्वीकृति के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव और महापौर रामू रोहरा के प्रति आभार जताया। पार्षदों ने भी महापौर का धन्यवाद किया। सड़कों के निर्माण से आवागमन सुगम होने के साथ शहर की सुंदरता और बुनियादी सुविधाओं में सुधार होगा।

चर्रा में देर रात तक गूंजते रहे माता के जयकारे



हरिभूमि न्यूज ⏭कुरूद

ग्राम चर्रा में शारदीय नवरात्र की षष्ठी पर आयोजित लोक झंकार माता जगराता में भक्ति और छत्तीसगढ़ी लोक संस्कृति का अनूठा संगम देखने को मिला। मुख्य गायिका किरण शर्मा और उनकी टीम की प्रस्तुतियों पर देर रात तक श्रद्धालु झूमते रहे। देवी के प्रत्येक स्वरूप की झांकी पर जयकारे गूंजे और तालियों से कार्यक्रम स्थल गुंजायमान रहा।



कार्यक्रम में शक्ति स्वरूपा मां दंतेश्वरी, शीतला, महामाया, बम्लेश्वरी, दुर्गा, काली, चंडी और छत्तीसगढ़ महतारी की झांकियां प्रस्तुत की गईं। आधुनिक लाइट और साउंड के माध्यम से जंवारा, ज्योति स्थापना, जसगीत, गौरा-गौरी और सुआ गीत जैसी लोक परंपराओं को मंच पर जीवंत किया गया। किरण शर्मा और उनकी मंडली के गीत, संगीत व नृत्य ने दर्शकों को भाव-विभोर कर दिया। श्रद्धालु प्रस्तुतियों के फोटो और वीडियो बनाते रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ नपा अध्यक्ष ज्योति चंद्राकर, समाजसेवी एलपी गोस्वामी, कृपाराम यादव, तिलोकचंद जैन, सरपंच कमलेश्वरी ध्रुव, उपसरपंच ललिता यादव, सोसायटी अध्यक्ष रामकुमार साहू की उपस्थिति में हुआ। आयोजन में विधायक अजय चंद्राकर, छग शासन के संस्कृति विभाग, ग्राम की दुर्गा समितियों और दशहरा उत्सव समिति के युवाओं का सहयोग रहा।

कुछ मंदिरों में रविवार को हुआ हवन-पूजन, कहीं आज होगी पूर्णाहुति

हरिभूमि न्यूज ⏭धमतरी

महाअष्टमी पर देवी मंदिरों में उमड़े श्रद्धालु

शहर में नवरात्रि की महाअष्टमी श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाई जा रही है। अष्टमी तिथि दो दिन होने के कारण कुछ देवी मंदिरों और दुर्गा पंडालों में रविवार को हवन-पूजन कर पूर्णाहुति दी गई, वहीं मां विंध्यवासिनी मंदिर सहित अन्य प्रमुख मंदिरों में सोमवार को हवन-पूजन और पूर्णाहुति होगी।

रविवार को मां अंगारमोती मंदिर सहित कुछ दुर्गा पंडालों में मां महागौरी की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन संपन्न हुआ। श्रद्धालुओं ने हवन कुंड में आहुतियां अर्पित कर परिवार की सुख-समृद्धि, खुशहाली और समाज के कल्याण की कामना की। हवन के बाद पूर्णाहुति देकर प्रसाद वितरित किया गया। घरों में नवरात्र व्रत रखने वाले भक्तों ने भी हवन-अनुष्ठान कर कन्या भोज कराया और कन्याओं से आशीर्वाद लिया। पंडित कृष्णा तिवारी ने बताया कि पंचांग के अनुसार उदयातिथि के आधार पर सोमवार 19 अक्टूबर को महाअष्टमी और कन्या पूजन किया जाएगा। कन्या पूजन का शुभ मुहूर्त सुबह 8.29 से 10.16 बजे तक बताया गया है। वहीं महानवमी तिथि 19 अक्टूबर को सुबह 10.51 बजे से प्रारंभ होकर 20 अक्टूबर, मंगलवार को दोपहर 12.50 बजे तक रहेगी।

आज निकलेगी विसर्जन झांकी

मां दुर्गा विसर्जन झांकी महोत्सव आयोजन समिति एवं हिन्दू जागरण मंच के तत्वावधान में सोमवार को रात 8 बजे से शहर के हृदय स्थल घड़ी चौक में माताराणी विसर्जन झांकी महोत्सव आयोजित होगा। आयोजन में चित्रेश साहू, पुरुषोत्तम निषाद, डाकेश्वर साहू, अभिषेक साहू, अनिमेष राजपूत, सत्यम सिन्हा, शिवांश पटवा, प्रतीक साहू, संजय साहू, आदित्य साहू, कुलदीप साहू और हिमांशु साहू की सहभागिता रहेगी।





